Seizure of Hashish at Delhi Air Port

6388. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Hashish worth Rs. 15 lakh has been seized at Delhi Air Port from London bound passengers on 8th March, 1973; and

(b) if so, the action taken against them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH): (a) On 8th March, 1973 Hashish (Charas) weighing 21.250 Kgs. and valued at about Rs. 21,000 (at the current illicit market rates) was seized at the Delhi Airport from three foreign nationals bound for Frankfurt.

(b) All the three foreigners have been arrested and further investigations are in progress.

Direction to Commercial Banks Re: Finance for Foodgrains including Imported Ones

6389. SHRI YAMUNA PRASAD MANDAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have directed Commercial Banks to provide finances for the foodgrains, including imported ones handled by the Food Corporation; and

(b) if so, the justification for such a direction?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN): (a) and (b). No direction has been issued by Government to commercial banks in this regard. However, a consortium of banks constituted by the Reserve Bank of India in April 1970, with the State Bank of India as the leader, meets the credit requirement of food procurement agencies, including the imported food grains handled by the Food corporation of India primarily because of the social objective in regulating the price as also distribution of the foodgrains, which are essential commodity for mass consumption.

बन्दरों का निर्यात

6390. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1971-72 और 1972-73 के वित्तीय वर्षों के दौरान कितने बंदरों का विदेशों को निर्यात किया गया;

(ख) इस अवधि के दौरान इससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई; और

(ग) वर्ष 1973-74 के दौरान बंदरों के निर्यात से अनुमानतः कितनी राशि की विदेशी मुद्रा अर्जित किये जाने का लक्ष्य है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) और (ख). 1971-72 तथा 1972-73 (अप्रैल-सितम्बर, 1972) के दौरान निर्यात किये गये बंदरों की संख्या तथा मूल्य नीचे दिया गया है :—

1971-72		1972-73 (अप्रैल-सितम्बर, 72)	
सं०	मूल्य (लाख रुपये)	सं०	मूल्य (लाख रुपये)
53170	37.96	15875	16.19

(ग) 1973-74 के दौरान 30,000 बंदरों के निर्यातों की अनुमति दी जावेगी। चालू इकाई मूल्य के आधार पर संपूर्ण कोटे

के उपयोग से लगभग 30 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी ।

वर्ष 1972-73 के दौरान सुअर की चर्बी और गाय तथा बछड़े की खालों के निर्यात से अर्जित आय

6391. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वित्तीय वर्ष 1972-73 के दौरान सुअर की चर्बी और गाय तथा बछड़ो की खाल के निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई; और

(ख) वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान उक्त वस्तुओं के निर्यात से अनुमानत: कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित करने का लक्ष्य है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) वर्ष 1972-73 में सुअर की चर्बी का निर्यात नहीं किया गया है । अप्रैल, 1972 से फरवरी, 1973 के दौरान अनुमानत: 44.86 करोड रुपये की ई०आई० तथा क्रोम विधि से कमायी गई गाय की खालों तथा मछड़ों की चमड़ियों का निर्यात किया गया ।

(ख) 1973-74 से अर्ध साधित खालों तथा चमड़ियों के निर्यात कोटा प्रणाली द्वारा विनियमित होंगे । इस वस्तु की विभिन्न श्रेणियों के लिए कोटे निर्धारित करने के बारे में शीघ्र ही विनिश्चय किया जायेगा । 1973-74 में इस वस्तु के संबंध में निर्यात आय का अनुमान उसके बाद दिया जा सकता है ।

Proposal to open Civil Airport at Gorakhpur (U.P.) to Air Traffic

6392. SHRI NARSINGH NARAIN PANDEY: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal for opening the civil airport at Gorakhpur (Uttar Pradesh) to air traffic by starting the flights from Delhi to Bombay via Gorakhpur; and

(b) if so, the broad outlines of the proposal in this regard?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) and (b). There is a Defence airfield at Gorakhpur and the questions of starting air services and constructing a civil enclave are under active consideration. The routing of such services will be determined in relation to traffic flows, commercial affinity, fleet availability, etc.

चाय उत्पादकों को ऋण सम्बन्धी सुविधायें

6393. **श्री महादीपक सिंह शाक्य** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चाय अनुसंधान समिति ने चाय बोर्ड से सिफारिश की है कि चाय का उत्पादन बढ़ाने और उसकी किस्म में सुधार करने की दृष्टि से यह आवश्यक है कि चाय उत्पादकों को आसान शर्तों पर पर्याप्त ऋण संबंधी सुविधायें उपलब्ध कराई जाये; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) जी नही ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।